मेहनतकशों का पैग़ाम मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com

Postal Reg. No. L/H.R/FBD/463-06 /R.N.I. No. 66400/97

- बीके अस्पताल के डॉक्टरों का कमीशन खाने का नायाब तरीका 3
- पीएम मोदी ने बहुत लंबी लंबी छोड़ी है, उन्होंने अपनी बहुचर्चित मुद्रा योजना के जो आँकड़े पेश किये हैं वे बेहद चौकाने वाले हैं 4
- सरकार के चार साल, तर्क और तथ्यों के अचार साल हैं 5
- पृथला की बेटियों को अध्यापकों के दर्शन नहीं थोक में नारा लगवा लो खट्टर सरकार से..... 8

वर्ष 31 अंक -23 फ़रीदाबाद 3-9 जून 2018 फोन : - 9999595632 2 ₹

मंत्री गोयल काम-काज नहीं, कथा पाखंड तो कर ही सकते हैं

फ़रीदाबाद में मुरारी बापू की राम कथा व सत्ता गठजोड़ का घिनौना प्रदर्शन

फ़रीदाबाद (म.मो.) आजकल सेक्टर 12 स्थित 'हूडा' के सरकारी मैदान में मुरारी बापू 9 दिन की राम कथा कर रहे हैं। कथा एवं प्रवचन करने हेतु फ़रीदाबाद में साल भर में 5-6 बाबे तो जरूर आते हैं। कभी सुधांशु जी महाराज तो कभी दक्षिण भारत की साध्वी तो कभी दुख निवारण का ढोंग बिखेरता बाबा कुमार स्वामी अपना तम्बू यहां गाड़ लेते हैं। आसाराम व राम रहीम भी यहां प्रवचन बघारने आते रहे हैं। आज ये दोनों बेशक जेल में हैं परन्तु 'अच्छे दिन' में इनका आशीर्वाद लेने तमाम बड़े-बड़े नेता पधारते रहे थे।

बहरहाल, अब मुरारी बापू का दौर चल रहा है। इस झुलसाती गर्मी में उनका जो पंडाल बना है वह इतना वातानुकूलित है कि सर्दियों जैसा माहौल बना हुआ है। प्रात: 10 बजे से दोपहर दो बजे तक बापू जी राम कथा बांचते हैं, जिसे सुनने व देसी घी के हलवा पूरी का प्रसाद छकने

हज़ारों श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंचते हैं।

कथा के पहले दिन केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी पधारी तो दिनांक 30 मई को हरियाणा के राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी बाबा का आशीर्वाद लेने पहुंचे। ऐसे में भला कांग्रेसी कैसे पीछे रह सकते थे, लिहाज़ा एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा तो दूसरे दिन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर भी बाबा की चरण वंदना करने पहुंचे। इनके अलावा और भी अनेकों छोटे-बड़े नेताओं की यहां लाइन लगी हुयी है।

इतनी बड़ी एवं घिनौनी भव्यता का आयोजक है नवचेतना ट्रस्ट। ट्रस्ट का निर्माण तो किया है स्थानीय विधायक एवं मंत्री विपुल गोयल ने और इसका अध्यक्ष बनाया है मानव रचना युनिवर्सिटी के मालिक प्रशान्त भल्ला को। ट्रस्ट द्वारा शहर के तमाम उद्योगपतियों एवं बड़े व्यापारियों से मोटी चंदा वसूली की जाती रही है। हालांकि ट्रस्ट की आय-व्यय का सही हिसाब तो कोई देता नहीं परन्तु राम कथा के खर्चों को ही देखते हुये समझा जा सकता है कि मामला करोड़ों का है।

9 दिन तक चलने वाले राम कथा आयोजन में रोजाना 5000 लोग़ों ने बढिया शाही भोजन किया। वातानुकूलित पंडाल का खर्चा ही अपने आप में काफ़ी बड़ा है। जानकार बताते हैं कि प्रति दिन 50 लाख से कम का खर्चा नहीं हो रहा है। इसके अलावा, गवर्नर सरीखे 'भक्तों' को जो कीमती विदाई उपहार दिये जाते है, वो अलग से।

वास्तव में शासक वर्ग को इस तरह की कथाओं एवं बाबाओं की बड़ी सख्त जरूरत रहती है। यह कोई आज की बात नहीं है, प्राचीन काल से ही राजा लोग अपनी प्रजा पर शासन जमाये रखने के लिये राजनीतिक एवं प्रशासनिक डंडे के अलावा धर्म के डंडे का भी इस्तेमाल करते आये हैं। ये धर्म प्रचारक बाबे ही जनता को समझाते आये हैं, 'जा बिधि राखे राम वाही बिधि रहियो।' अर्थात् शासक वर्ग की लूट-खसूट से दुखी जनता को इसे भगवान की इच्छा और अपना भाग्य मान कर शान्त रहना चाहिये। यदि शांति न मिलती हो तो प्रभु भजन करना चाहिये तथा बाबों के प्रवचन तथा कथाएं सुननी चाहिये। फ़िलहाल इसमें यह भी जोड़ सकते हैं कि भाजपा को वोट देना चाहिये।

मंत्री विपुल गोयल से न तो शहर के आवारा कुत्ते काबू हुए और न ही सड़कों पर घूमती आवारा गायों का कोई उचित ठिकाना बन पाया। शहर के तमाम सरकारी अस्पतालों व

शेष पेज दो पर

कलयुग की चर्चा क्यों नहीं करते मुरारी बापू.....

विवेक की मुरारी बापू राम कथा स्थल से विशेष रपट

रोट्टी कदे मिल्लेगी भाई ? यो पानी पला पला के थम मारोगे रे। इन्ही शब्दों के साथ एक देहात से लाया गया नवयुवक वातानुकूलित पंडाल में चल रही मुरारी बापू की रामकथा में लगभग सो ही गया।

सेक्टर 12 फरीदाबाद में मुरारी बापू की नौ दिवसीय रामकथा का सातवाँ दिन। करीब 5000 लोगों से भरे 100 एयर कंडीशनरों वाले कथा स्थल की शानदार व्यवस्था में मुरारी बापू सतयुग, द्वापर, और त्रेता युग की कहानियां बाँचते रहे। कलयुग सब्र किये किसी कोने में दुबका रहा कि शायद उसका जिक्र भी हो।

कलयुगी फरीदाबाद में कंप्यूटर आपरेटरों, पोस्टल कर्मियों, निगम कर्मियों, बैंक कर्मियों की हड़ताल, किसान आन्दोलन, बिजली सड़कों की समस्या से जूझते लोग और पानी को तरसती गरीब जनता की बानगी है। ऐसे मुद्दों के कीचड़ से भाजपा के कमल को बचाते, सफेद वस्त्र में मुरारी बापू सीधे परमात्मा से मिलने और हर हाल में प्रसन्न रहने जैसी लफ्फाजिया हांकते रहे।

सेक्टर 12 के सरकारी कामकाज वाला इलाका होने के कारण गनीमत ये रही कि बापू के सत्यवचनी बोल तम्बू से बाहर नहीं आ रहे हैं। अन्यथा किसी बस्ती या बाजार में तो ये संभव नहीं हो सकता था। वैसे अज्ञानो और मंदिरों के लाउड स्पीकरों की समस्या से निबटने का ये सफल मॉडल

सत्ता के आध्यात्मिक दलाल : धीरेन्द्र ब्रह्चारी से राम रहीम तक!

हो सकता है।

तम्बू में बैठी भीड़ की भक्त-सच्चाई से भी जल्द ही पर्दा उठ गया। एक बुजुर्ग ने बताया कि उन्हें और उनके साथियों को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से चार बसों में भर कर लाया गया है और फरीदाबाद शहर की अग्रवाल धर्मशाला में सभी के रुकने का बंदोबस्त भी है।

मानव रचना यूनिवर्सिटी की बीसियों बसें लोगों को यहाँ-वहाँ से भर-भर के प्रवचन स्थल तक ला रही थीं। यानी सब कुछ राजनेताओं की सभा जैसा ही। एक बुजुर्ग महिला से बात करने पर मालूम चला कि उनकी रेजिडेंशियल सोसाइटी वालों ने सत्संग में आने का सारा बंदोबस्त किया है। घर में अकेले होने के कारण वक्त बिताने वो यहाँ चली आई हैं।

करीब 12 से 14 वर्ष की आयु वाले सैकड़ों बच्चों के लिए यह सत्संग एक पिकनिक स्थान है जहाँ बढ़िया खाना पीना मुफ्त, वो भी एयर कंडीशन में। एक बच्चे ने कहा कि उसके मम्मी पापा हर सत्संग में जाते हैं और उसे भी जबरदस्ती अपने साथ ले जाते हैं। करीब सभी बच्चों का कहना था कि वो यहाँ अपने अभिभावकों द्वारा जबरदस्ती लाये गए हैं।

के आर एस डॉटकॉम की टीशर्ट पहने कई लोगों से मालूम चला कि बॉस के आदेश से उनको आना पड़ा है जबकि कई दूसरे जरूरी काम अधूरे पड़े हैं। अन्य घरेलू महिलायें भी आई हुई थीं जिनमें कई तो भक्तिभाव से आई थीं और कुछ किसी न किसी पारिवारिक दबाव में। हालाँकि मुरारी बापू के प्रति किसी में श्रद्धाभाव में कोई

शेष पेज दो पर

सरदार जी तुस्सी ग्रेट हो !

नाम- गगनदीप सिंह, पद- सब इंस्पेक्टर, संदर्भ- दो दिन पहले एक मुस्लिम युवक को मॉब लिंचिंग का शिकार होने से बचाया

दो दिन पहले नैनीताल के गिरजा देवी मंदिर में यह युवक अपनी महिला साथी के साथ गया हुआ था! जैसे ही कुछ लोगों को पता चला कि युवक मुस्लिम है और युवती हिन्दू, लव जिहाद का रंग देकर भी उस युवक को मारने के लिए हिंसक हो गयी. कुछ तो नफरत में युवती को भी मार डालना चाहते थे!

उस वक्त मंदिर में तैनात सब-इंस्पेक्टर गगनदीप सिंह बिना डरे, बिना अपनी जान की परवाह किये, युवक को उन्मादी भीड़ से बचाया. भीड़ के उस गुस्से में गगनदीप भी लपेटे में आ सकता था! भीड़ में से एक उन्मादी ने युवक के ऊपर शक करते हुए कई बार बोला कि "ID दिखाओ, ID"! समझिये कि ID किस सोच के तहत माँग रहा होगा वो व्यक्ति! भीड़ से एक और आवाज (गगनदीप के लिए) आयी कि "किस बात का प्यार दिखा रहे हो आप इसपे?" भीड़ में से कई उसे अंदर ही बिठाने की बात कर रहे थे! गगनदीप ने युवक को अपने सीने से चिपकाए रखा और युवक भी गगनदीप के सीने पे दुबका रहा फिर भी भीड़ ने कई थप्पड़ लगा दिया!

मुसलमानों के विरुद्ध ये उन्माद कहाँ से बढ़ा है जरा सोचियेगा! गगनदीप सिंह को सलाम पहुँचे कि वो इस सांप्रदायिक माहौल में लाखों लोगों के लिए एक जज्बा बनकर उभरे हैं! हजारों सांप्रदायिक सनकियों पर अकेला गगनदीप भारी पड़ा!